पेयजल समस्या को लेकर ग्रामीण पानी की टंकी पर चढ़े

जलदाय विभाग के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर समस्या समाधान का आश्वासन दिया

मण्डावर नगरपालिका अंतर्गत सायपुर पाखर में ग्रामीणों ने टंकी पर चढ़कर आक्रोश जताया।

हिंडौन सिटी, (निसं)। मण्डावर के नगरपालिका अंतर्गत सायपुर पाखर में गत दो दिन से पानी की समस्या को लेकर ग्रामवासियों द्वारा विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है।

ग्रामीणों ने बताया कि पूर्व में जल जीवन मिशन योजना के तहत जलदाय विभाग के द्वारा पाखर-2 में पानी की पुख्ता व्यवस्था करने के लिए सरकार द्वारा लाखों रुपये खर्च कर ट्यूबवैल व पानी भंडारण के लिये पानी की विशाल टंकी बनवाई गई थी। साथ ही ट्यूबवैल के लिये बिजली का कनेक्शन भी करा दिया गया था लेकिन उक्त ट्यूबवैल से पानी की लाईन टंकी तक नहीं डाली गई थी। इसी दौरान ग्रामीणों को पानी के लिये भटकना पड़ रहा है और मंडावर शहरी क्षेत्र में से माथे पर रखकर पानी भरकर

- **ग्रामीणों को पानी के लिये भटकना पड़ रहा है और टैंकर मंगाकर प्यास बुझा रहे हैं**

ले जाना पड़ रहा है, या फिर पानी का टैंकर मंगाकर प्यास बुझाई जा रही है जो ग्रामीणों के लिये एक बड़ी समस्या बन चुकी है।

वहीं पानी की समस्या को लेकर ग्रामीणों का रोष फूट पड़ा और समस्त ग्रामवासी महिला-पुरुष तथा युवा मंडावर शहर के लिये संचालित पानी की टंकी पर पहुंचे और वहां टंकी पर चढ़कर अपना विरोध जताया। इस दौरान मौके पर पहुंची पुलिस के हाथ पाँव फूल गये। आनन-फानन में शीघ्र जलदाय विभाग के अधिकारियों को अवगत कराया। जलदाय विभाग के कर्मचारियों ने दूरभाष पर दो घंटे में पहुंच कर समस्या का समाधान करने का आश्वासन दिया। तब पुलिस द्वारा की गई समझाईश से ग्रामीणों ने अपना प्रर्दशन स्थगित किया व टंकी से नीचे उतर गये।

आश्वासन अनुसार दोपहर में ग्रामीणों के बीच जलदाय विभाग के सहायक अभियंता राधाकृष्ण मीना पहुंचे जहां वार्ता करने के बाद ग्रामीण उनकी बातों से संतुष्ट नहीं हुये और फिर पुन: विरोध प्रदर्शन करने की चेतावनी दी। इसी क्रम में ही रविवार को समस्त ग्रामीणों ने व्यापक रूप से इकट्ठा होकर उक्त टंकी पर वापिस चढ़ते हुये जलदाय विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर विरोध जताया और पानी की समुचित व्यवस्था नहीं होने तक प्रदर्शन जारी रखने की चेतावनी दी।

इसी दौरान जलदाय विभाग की कनिष्ठ अभियंता मेघा सैनी प्रर्दशनकारी ग्रामीणो के बीच पहुँची, तब उनके समक्ष ग्रामीणो ने गहरा रोष जताया तथा पेयजल की समस्या शीघ्र हल नही होने पर उक्त प्रदर्शन को और अधिक उग्र करने की चेतावनी दी। उन्होंने ग्रामीणों की समस्या को देखते हुये उनकी मांग पर अन्दर ग्राम मैं जाकर भी मौका स्थिति को देखा और समझा फिर इस संबंध में ग्रामीणों से समझाईश करते हुये किसी भी तरह अगले दो दिनो में पाखर-2 के ग्रामीणों की पेयजल की समस्या को मध्येनजर रखते हुये जलदाय विभाग द्वारा किसी भी तरह वैकल्पिक व्यवस्था करते हुये पानी उपलब्ध कराने की बात कही तब जाकर ग्रामीणों ने उनके द्वारा दिये गये आश्वासन के बाद टंकी पर चढ़ रहे समस्त ग्रामीणों ने नीचे उतरकर अपना विरोध प्रदर्शन समाप्त किया।

ग्रामीण इलाकों में पेयजल संकट गहराया

डूंगरपुर, (निसं)। गर्मी के मौसम में पेयजल संकट गहराता जा रहा है। पेयजल संकट से निजात दिलाने के प्रशासन और जलदाय विभाग के दावे फैल होते दिखाई दें रहे हैं। इसी को लेकर पोहरी खातुरात पंचायत के ग्रामीण सोमवार को कलेक्ट्रेट पहुंचे। जिला कलेक्टर को ज्ञापन देते हुए उनकी पंचायत क्षेत्र के गांवों में टैंकर से जलापूर्ति कर राहत दिलाने की मांग की है।

ग्राम पंचायत पोहरी खातुरात पंचायत के सरपंच हरीश के नेतृत्व में ग्रामीण सोमवार को कलेक्ट्रेट पहुंचे। सरपंच हरीश ने बताया कि इस साल बारिश कम होने से उनके पंचायत क्षेत्र में पेयजल संकट गहराता जा रहा है। तालाब और नाले सूख चुके हैं। वहीं कुओं और हैंडपंप में भी जलस्तर नीचे चला गया है। जिसके चलते पंचायत के गजपुर, घोडाखरा और पोहरी गांव में लोग पेयजल को लेकर परेशान हैं। वहीं मवेशियों के लिए भी पानी की व्यवस्था करना मुश्किल हो गया है।

- **लोगों ने जिला कलेक्टर से टैंकरों से पानी सप्लाई करने की मांग की**

पेयजल नहीं होने से ग्रामीणों को समस्या का सामना करना पड़ रहा है। सरपंच हरीश के नेतृत्व में ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंच जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। वहीं ज्ञापन में पेयजल संकट वाले तीनों गांवों में टैंकर से जलापूर्ति करते हुए लोगों को राहत पहुंचाने की मांग की है। गर्मी के मौसम में पेयजल संकट से निजात दिलाने के लिए जिला प्रशासन ने एक प्लान तैयार किया था,लेकिन उस प्लान के मुताबिक अभी तक पेयजल संकट वाले गांवों में जलदाय विभाग की ओर से टैंकर से जलापूर्ति शुरू नहीं की गई है।

मीटिंग कर रहे लोगों पर लाठियों व डंडों से हमला

हमले में मजदूर नेता सहित आधा दर्जन लोग घायल, अस्पताल में भर्ती करवाया

पुलिस ने अस्पताल में घायलों से पूछताछ की।

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के प्रतापनगर थाना क्षेत्र में स्थित रीको एरिया में कुछ दिनों से चल रही वर्चस्व की लड़ाई अब खूनी संगर्ष का रूप ले रही हैं। रीको में ब्लड डोनेशन कैंप के आयोजन को लेकर माधव चौराहे पर मीटिंग कर रहे लोगों पर दो ब्लैक स्कॉर्पियो से आये लोगों ने लाठियों व डंडों से हमला कर दिया। हमले में मजदूर नेता सहित आधा दर्जन लोग घायल हो गये, जिन्हें एमजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

प्रतापनगर पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पटेल नगर निवासी और श्रमिक नेता पन्नालाल पुत्र खेताराम चौधरी सहित कुछ लोग रीको के माधव नगर चौराहे पर सोमवार सुबह ब्लड डोनेशन कैंप के आयोजन को लेकर मीटिंग कर रहे थे। इसी दौरान ब्लैक कलर की दो बिना नंबरी स्कॉर्पियो में सवार होकर आए युवकों ने डंडे व लाठियों से हमला कर दिया। अचानक हुये हमले को लेकर वहां अफरा-तफरी मच गई। वहीं पीड़ित पक्ष ने भी बचाव में हमलावरों पर कुर्सियां व पत्थर फैंके, जिसके चलते हमलावर स्कॉर्पियो में बैठकर फरार हो गये।

- **पीड़ित पक्ष ने भी हमलावरों पर कुर्सियां व पत्थर फैंके, जिससे हमलावर फरार हो गये**

एएसआई चिराग अली कायमखानी ने बताया कि हमले में पुर निवासी रामलाल पुत्र रामसुख माली, देवालाल पुत्र कजोड़ माली, प्यारचंद पुत्र घीसू गाडरी, भवानीराम पुत्र बालू माली, जाटों का खेड़ा निवासी रामेश्वर पुत्र गंगाराम कुमावत व पटेल नगर निवासी पन्नालाल पुत्र खेताराम चौधरी घायल हो गये। इन सभी को एमजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। उधर, हमले के बाद फरार हुये हमलावरों की तलाश के लिए पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। गौरतलब है कि रिको एरिया में गत कुछ दिनो से अपने अपने वर्चस्व को लेकर दो गुटों में तनातनी का माहौल बना हुआ है। हमले के पीछे भी यही वजह मानी जा रही है, क्योंकि गत दिनों भी दो गुटों में मारपीट और झगड़ा हो चुका है।

सम्पत्ति के विवाद को लेकर भाई ने की भाई हत्या, आरोपी गिरफ्तार

- **फुफेरा भाई भी वारदात में शामिल था, हत्या कर शव को पांच किमी दूर घाटी में फेंका**
- **प्रॉपर्टी बंटवारे को लेकर दोनों भाईयों में 13 अप्रैल को कहासुनी हो गई थी**
- **हत्या की आशंका जता परिजनों ने मामला दर्ज कराया**

हिंडौन सिटी/टोडाभीम, (निसं)। पिता की मौत के बाद प्रॉपर्टी हड़पने के लिए रेलवे कर्मचारी ने फुफेरे भाई के साथ मिलकर बड़े भाई की डंडों और पत्थरों से पीट-पीटकर हत्या कर दी। इसके बाद शव को घर से पांच किलोमीटर दूर पहाड़ी की घाटी में फेंक दिया। घटना करौली जिले के टोडाभीम (गंगापुरसिटी) के मिर्जापुर गांव की है। घटना 15 अप्रैल को हुई थी। युवक का शव 16 अप्रैल को मिला था। पुलिस ने आज मामले का खुलासा करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

थानाधिकारी दिलीप कुमार वर्मा ने बताया कि मिर्जापुर निवासी नवल सिंह मीणा (35) पुत्र सवाई सिंह का शव 16 अप्रैल को टोडाभीम घाटी में मिला था। पुलिस ने मामले की जांच की तो छोटे भाई कमल मीणा (25) पर शक गया। बाद में मिर्जापुर निवासी कमल और उसके फुफेरे भाई राजेश कुमार (30) को गिरफ्तार कर लिया गया। राजेश खेड़ी पुलिस थाना क्षेत्र के बैजुपाडा (दौसा) का रहने वाला है।

थानाधिकारी ने बताया कि प्रॉपर्टी बंटवारे को लेकर दोनों भाई नवल और कमल में 13 अप्रैल को कहासुनी हो गई थी। जयपुर के इंदिरा नगर स्थित प्लाट से किराएदारों को नवल ने निकाल दिया था। इसकी देखभाल उसका फुफेरा भाई राजेश कर रहा था। नवल प्लाट में हिस्सा मांग रहा था। ऐसे में कमल और राजेश ने मिलकर मर्डर का प्लान बनाया। 15 अप्रैल को कमल और राजेश बाइक लेकर गांव मिर्जापुर गए। शाम करीब 8.15 बजे नवल को घर से जबरन बाइक पर बैठाकर आधा किलोमीटर दूर खेत में ले गए। वहां उस पर डंडों और पत्थरों से हमला कर दिया। नवल को अधमरी हालत में लेकर दोनों बाइक से जयपुर के लिए निकल गए। जयपुर के इंदिरा नगर में प्लाट पर पहुंचने से पहले ही नवल की मौत हो गई। जयपुर पहुंचने के बाद शव को कार में डालकर दोनों आरोपी वापस टोडाभीम ले आए और घाटी में शव फेंककर जयपुर चले गए।

पुलिस उपाधीक्षक मुरारी लाल मीणा ने बताया कि घटना के अगले दिन 16 अप्रैल को शव मिलने की सूचना मिली। पुलिस मौके पर पहुंची। हत्या की आशंका जताते हुए परिजनों ने मामला दर्ज कराया। पुलिस ने वारदात के 11 दिन बाद दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। नवल और कमल के पिता सवाई सिंह मीणा की ड्यूटी के दौरान करीब सात साल पहले मौत हो गई थी। वे रेलवे में टेक्नीशियन के पद पर तैनात थे। पिता की मौत के बाद अनुकंपा पर रेलवे में छोटे भाई कमल की नौकरी लग गई। ऐसे में दोनों भाईयों के बीच प्रॉपर्टी बंटवारे को लेकर लगातार विवाद चल रहा था। बड़ा भाई नवल बेरोजगार था।

सूने मकान से लाखों के जेवर चोरी

भीलवाड़ा, (निसं)। शाहपुरा के कुंडियाकलां में चोरों ने एक मकान को निशाना बनाते हुए 93 हजार रुपये की नकदी व सोने-चांदी के जेवरात चुरा लिए। वारदात के समय गृहस्वामी परिवार सहित रात जगाने देवस्थल गया हुआ था। कुंडियाकलां निवासी सांवरलाल (41) पुत्र पन्नालाल खारोल ने थाने में रिपोर्ट दी कि वह, उसके छोटे भाई लादूलाल व हरदेव और मां तुलसी देवी कुण्डिया कलां में एक साथ ही रहते है। वे, कालाजी के स्थान पर जागरण होने से सभी जागरण में गये हुये थे। मकान पर ताला लगा हुआ था। रात्रि में चोरों ने उनके मकान के ताले तोड़ दिये और अंदर प्रवेश किया। चोर, मकान से एक किलो चांदी की कनगती, मांदलिया, टोप्स, भंवरकिया एक तोला व 93 हजार रुपये नगद चुरा लिये। इसी तरह परिवादी की मां तुलसी देवी के एक थैले में रखे रुपये भी चोर ले गये। वारदात की जानकारी सुबह जागरण से वापस आने पर हुई। पुलिस ने परिवादी सांवर की रिपोर्ट पर चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी।

दो थाना क्षेत्रों में चोरी की वारदातें सामने आई

परिवार सोता रहा, चोरों ने मोबाइल व नगदी पर हाथ साफ किया

अजमेर, (कासं)। शहर के दो थाना क्षेत्रों में अलग-अलग चोरी की वारदात अंजाम देकर एक बार फिर पुलिस को चुनौती दी है। गंज थाना क्षेत्र के फॉयसागर रोड स्थित रावत नगर में चोरों ने एक मकान में वारदात अंजाम दी, परिवार के लोग सोते रहे और चोर तीन मोबाइल फोन सहित नगदी चुरा कर फरार हो गए। रामगंज थाना क्षेत्र में रहने वाले रेलवे कर्मचारी के सूने मकान को चोरों ने निशाना बनाते हुए ताला तोड़कर मकान से करीब डेढ़ लाख रुपए का माल समेट कर फरार हो गए। पीड़ितों ने थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

गंज थाना क्षेत्र के फॉयसागर रोड रावत नगर निवासी अर्जुन जुनवाल ने थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। दर्ज रिपोर्ट में पीड़ित जुनवाल ने बताया कि रविवार देर रात को अज्ञात चोरों ने घर में घुस कर चोरी की वारदात अंजाम दी। उन्होंने बताया कि देर रात्रि को परिवार के सभी सदस्य घर सोए हुए थे, देर रात्रि को चोरों ने घर में घुस कर चोरी की वारदात अंजाम देते हुए तीन मोबाइल फोन सहित नकदी पर हाथ साफ कर फरार हो गए। चोरी का पता सोमवार सुबह उठे तब चला। पुलिस ने मामला दर्ज कर घटना स्थल का मौका मुआयना किया। पुलिस अज्ञात चोरों की तलाश में जुट गई है।

- **रेलवे कर्मचारी के सूने मकान को बनाया निशाना**

वहीं रामगंज थाना क्षेत्र में रहने वाले एक रेलवे कर्मचारी के सूने मकान का अज्ञात चोरों ने ताला तोडक़र करीब डेढ़ लाख रुपए का माल समेट कर फरार हो गए। रेलवे कर्मचारी असलम की शिकायत पर रामगंज थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। असलम ने दी शिकायत में बताया कि वह परिवार के साथ शादी समारोह में गया हुआ था और दोपहर को उनके पड़ौसी का फोन आया कि मकान का गेट खुला है। उक्त सूचना के बाद वह तुरंत मौके पर पहुंचे और यहां आकर देखा तो कमरे में रखे दो लेपटॉप व एक पीसीआर गायब मिला। पुलिस ने पीडित् की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चार बाल श्रमिकों को मुक्त करवाया

डूंगरपुर, (निसं)। बाल अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित हेल्पलाइन 1098 पर सूचना मिली कि डूंगरपुर शहर के कलेक्ट्रेट क्षेत्र में पाइप लाइन खोदने का कार्य चल रहा हैं, वहां 14 से 15 साल के बच्चों से बालश्रम कराया जा रहा है। बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक पिंकी मीणा ने बताया कि चाइल्ड हेल्पलाइन समन्वयक मेहुल शर्मा के नेतृत्व में टीम सुपरवाइजर हेल्पलाइन, कोतवाली पुलिस थाना, श्रम विभाग व सृष्टि सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में डूंगरपुर शहर के कलेक्ट्री क्षेत्र में पाइप लाइन खोदने का कार्य कर रहे 2 बालकों व 2 बालिकाओं को बालश्रम से मुक्त करवाया गया। इन बच्चों को सहायता के लिए उन्हें बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष भावेश कुमार जैन, सदस्य विजय रावल, बालकृष्ण परमार, उमेश रावल व जयश्री भट्ट के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से बच्चों को अग्रिम आदेश तक आश्रय प्रदान करते हुए बालकों को राजकीय किशोर गृह तीजवड व बालिकाओं को बालिका गृह मुस्कान संस्थान में आश्रय प्रदान किया गया। साथ ही बाल कल्याण समिति द्वारा नियोक्ता के खिलाफ आवश्यक कार्यवाही के लिए दिशा-निर्देश प्रदान किए। इस अवसर पर रणछोड मीणा, पंकज यादव, श्रम विभाग के पंकज पाटीदार, जयन्तिलाल मीणा व सृष्टि सेवा समिति से सुरेन्द्र ढोली व राजेन्द्र कटारा सहित अन्य मौजूद रहे।

अशरफ हत्याकांड के आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग

कॉलोनीवासियों ने जिला कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

गत 12 अप्रैल रात्रि को हुए अशरफ हत्याकांड में शामिल अन्य दो आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

चूरू, (कासं.)। गत 12 अप्रैल रात्रि को हुए अशरफ हत्याकांड में शामिल अन्य दो आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग को लेकर सोमवार को शेखावत कॉलोनी के निवासियों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन के माध्यम से शरीफ शेख की पत्नी हसीना ने बताया कि 12 अप्रैल की रात करीब आठ बजे मेरा पुत्र अशरफ बाहर दुकान पर सामान लाने गया हुआ था, तभी पीछे से एक राय होकर आये वार्ड 20 निवासी असलम पुत्र कासम, अरशद पुत्र असलम व फरजाना पत्नी असलम इलाही ने लोहे के पाइप से पीट-पीट कर मेरे पुत्र की हत्या कर दी। घटना के बाद से हम सभी परिवार के सदस्य भयभीत होकर जीवन यापन कर रहे हैं। ज्ञापन में बताया कि हत्या में शामिल अन्य दो आरोपी अरशद व फरजाना को तुरंत गिरफ्तार किया जाए और इन दोनों के खिलाफ निष्पक्ष जांच की मांग की। ज्ञापन के माध्यम से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्याय की अपिल की। ज्ञापन देने वालों में खैरूद्दीन झाबर, मुस्लिम, अनवर, जाफर, महबूब, केफ शेख सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

बहरूपिया कला में प्रसिद्ध जानकीलाल भांड का भीलवाड़ा में स्वागत

जानकीलाल भांड ''पद्मश्री पुरस्कार'' मिलने के बाद पहली बार भीलवाड़ा पहुंचे

भीलवाड़ा, (निसं)। बहरूपिया कला के लिए देश-विदेश में प्रसिद्ध जानकीलाल भांड का सोमवार को पद्मश्री पुरस्कार मिलने के बाद पहली बार भीलवाड़ा पहुंचने पर शहरवासियों ने पलक पावड़े बिछाकर स्वागत किया। पद्मश्री जानकीलाल के भीलवाड़ा पहुंचने पर उन्हें फूल मालाओं से लाद दिया और रेलवे स्टेशन चौराहे से बड़े मंदिर तक भव्य जुलूस का आयोजन किया गया।

पद्मश्री जानकीलाल भांड ने कहा कि इस कला को जीवित रखने के लिए यदि सरकार मेरी सहायता करे, कोई प्लॉट या लोन उपलब्ध कराये तो हमारे समाज में ऐसे कई कलाकार हैं जो इस कला को सीखना चाहते हैं। हम लोग उनके लिए एक इंस्टिट्यूट खोल सकते हैं, जिसके माध्यम से इस कला को हमेशा जीवित रखा जा सकता है। पद्मश्री जानकीलाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रपति और देश के संविधान के प्रति अपनी आस्था व्यक्त करते हुए कहा है कि मुझ जैसे सामान्य व्यक्ति को कला के लिए पद्मश्री अवार्ड मिलना बेहद खुशी का पल है। मुझे मेरी मेहनत का पुरस्कार मिला है। जानकीलाल भांड के बेटे लादू लाल भांड का कहना है कि पिताजी ने इतने समय तक अपनी कला को का प्रदर्शन किया और आज मैं काफी खुश हूं कि उन्हें उनकी कला का सम्मान मिला है। उन्हें पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया है यह मेरे लिए काफी गौरव का पल है।

बहरूपिया कला के लिए प्रसिद्ध जानकीलाल भांड का भीलवाड़ा पहुंचने पर जुलूस निकाला।

प्रसिद्ध जानकीलाल भांड को पिछले सोमवार 22 अप्रैल को नई दिल्ली में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पद्मश्री सम्मान से अलंकृत किया था। भीलवाड़ा के जानकीलाल पिछले 6 दशक से बहरूपिया कला को जीवित रखे हैं। 26 जनवरी की पूर्व संध्या पर बहरूपिया कला के लिए जानकी लाल भांड को पद्मश्री पुरस्कार के लिए चयनित किया गया था। बहरूपिया बाबा के नाम से मशहूर जानकी लाल एक बहरूपिया कलाकार है, जो समाप्त होती बहुरूपिया कला को आज भी जिंदा रखे हुए हैं। इन्होंने भीलवाड़ा सहित देश-विदेश में अपनी बहरूपिया कला को प्रदर्शित किया है। 83 साल के जानकी लाल को यह कला विरासत में मिली है और इससे पहले उनकी तीन पीढ़ियां बहरूपिया कला के प्रति समर्पित रही है। जानकी लाल को पद्मश्री मिलने के बाद भीलवाड़ा वासियों में हर्ष है। पद्मश्री जानकीलाल को चाहने वाले बड़ी संख्या में उनका स्वागत अभिनंदन करने पहुंचे।

- **भीलवाड़ा के जानकीलाल पिछले छह दशक से बहरूपिया कला को जीवित रखे हुये हैं**